रणजीत टाइम्स
वर्ष : 1, अंक: 95 इंदौर, सोमवार 10 मार्च 2025
RNI-NO.MPHIN/2015/64585
DIGITAL EDITION

शिवपुरी में बिजली बकाया

वसूली टीम पर हमला: लोगों ने JE समेत कर्मचारियों को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा, कपड़े फाड़े; केस दर्ज

शिवपुरी के मास्टर कॉलोनी में शनिवार को बिजली विभाग के कर्मचारियों के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। बिजली बिल की बकाया वसूली के लिए गई टीम पर स्थानीय लोगों ने हमला कर दिया। घटना में महिला जूनियर इंजीनियर समेत कई कर्मचारी मौजूद थे।

गुस्साई भीड़ ने कर्मचारियों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। उनके कपड़े फाड़ दिए और मोबाइल फोन छीन लिए। विभाग की गाड़ियों पर भी पथराव किया गया। बता दें कि, बिजली विभाग की शनिवार दोपहर को बिजली कंपनी की टीम बकायादार उपभोक्ताओं से वसूली करने और बिल नहीं चुकाने वालों के कनेक्शन काटने पहुंची थी। इस दौरान उपभोक्ताओं और विभागीय अधिकारियों के बीच विवाद शुरू हुआ। यह विवाद जल्द ही हिंसक झड़प में बदल गया। कर्मचारियों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा इसके बाद गुस्साई भीड़ ने कर्मचारियों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। उनके कपड़े फाड़ दिए और मोबाइल फोन छीन लिए। विभाग की गाड़ियों पर भी पथराव किया गया। कुछ अधिकारी किसी तरह वहां से भागकर बच निकले। उन्होंने तुरंत घटना की जानकारी उच्च अधिकारियों को दी। सहायक अभियंता कैलाश अहिरवार और पूजा वर्मा ने कोतवाली में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा

अश्विनी जोशी के पुतले को पागलखाने में भर्ती कराया

रंजीत टाइम्स » आदित्य शर्मा

इंदौर। भारतीय जनता युवा मोर्चा के नगर अध्यक्ष श्री सौगात मिश्रा ने बताया कि कांग्रेस के एक नेता भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी से चुनाव हार गए उसी के चलते कांग्रेस पार्टी द्वारा उनका टिकट भी काट दिया गया। इसी के चलते उनका मानसिक दिवालियापन हो गया है और वह अनर्गल बातें करने लगे हैं उनके द्वारा भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को जो अपशब्द कहे गए हैं बहुत ही निंदनीय है। इसी के चलते भारतीय जनता युवा मोर्चा के सभी साथियों के साथ अश्वनी जोशी के पुतले को बाणगंगा मेंटल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया।

महिला दिवस के शुभ अवसर पर

महिला दिवस के शुभ अवसर पर बाघ पंचायत सरपंच सोहराब पटेल द्वारा महिला शक्ति का किया सम्मान

ग्राम बाघ। 8 मार्च अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर टीम सृष्टि द्वारा बांक पंचायत सरपंच साहब (सोहराब पटेल जी) की उपस्थिति में MRF प्लांट पर महिला कर्मचारियों का उपहार देकर सम्मान सरपंच साहब और टीम सृष्टि द्वारा किया गया।

पिता-पुत्र के बीच संपत्ति विवाद का सफल समाधान, लोक अदालत ने कराई सुलह

पिछोर। पिता और पुत्र के बीच लंबे समय से चले आ रहे संपत्ति विवाद का सफल समाधान लोक अदालत के माध्यम से हुआ। यह मामला एक ग्रामीण परिवार से जुड़ा था, जहां पिता और पुत्र के बीच पैतृक संपत्ति के बंटवारे को लेकर मतभेद उत्पन्न हो गए थे और नौबत मारपीट तक की आ गई थी।लोक अदालत ने इस मामले में न केवल विवाद का समाधान किया, बल्कि परिवार के बिखरते रिश्तों को जोड़ने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लोक अदालत के न्यायाधीश अमनदीप सिंह छाबड़ा ने कहा, "हमारा उद्देश्य केवल विवादों को सुलझाना नहीं है, बल्कि लोगों को उनके रिश्तों की अहमियत समझाना भी है। यह मामला इस बात का उदाहरण है कि बातचीत और सहमति से किसी भी विवाद का समाधान संभव है।" यह मामला समाज के लिए एक बड़ा संदेश लेकर आया है। अक्सर संपत्ति विवादों के कारण परिवारों के रिश्ते बिगड़ जाते हैं, लेकिन लोक अदालत जैसे मंचों के माध्यम से इन विवादों को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाया जा सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि लोक अदालतें न केवल अदालती बोझ को कम करती हैं, बल्कि समाज में सद्भाव और एकता को भी बढ़ावा देती हैं। इस सफल समाधान के बाद उभयपक्ष ने लोक अदालत का आभार व्यक्त किया और कहा कि उन्हें अब एक नई शुरुआत करने का मौका मिला है।

केंद्रीय राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव की मौजूदगी में कई हुए शिवसेना में शामिल

रंजीत टाइम्स

बुलढाणाः जिले के मासरूल में शिवसेना पार्टी प्रवेश समारोह का आयोजन हुआ. इस मौके पर केंद्रीय राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने शिवसेना का भगवा दुपट्टा उनके गले में डाला और उन्हें आधिकारिक तौर पर शिवसेना में शामिल कराया. इसमें कांग्रेस राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के सैकड़ों पदाधिकारी, पूर्व सरपंच, पूर्व पंचायत समिति सदस्य, पूर्व ग्राम पंचायत सदस्य इस समय शिवसेना में शामिल हुए. इस अवसर पर बोलते हुए केंद्रीय मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि शिवसेना ने हमेशा श्रमिकों को न्याय देने की भूमिका निभाई है. शिवसेना संगठन ने कई नेताओं को विधायक, सांसद और मंत्री बनाने का काम किया है. शिवसेना एक हिंदुत्ववादी संगठन था तब से हम शिवसेना में काम कर रहे हैं. जाधव ने कहा कि शून्य प्रतिशत राजनीति और 80 प्रतिशत सामाजिक सरोकार के फार्मूले के साथ शिवसेना पूरे महाराष्ट्र और देश भर में काम कर रही है. शिवसेना ने लोगों की भलाई के लिए कई फैसले लिए. वहीं, इस दौरान केंद्रीय मंत्री प्रतापराव जाधव ने अपील की कि सभी शिवसैनिकों को जिला परिषद पंचायत समिति नगर परिषद चुनाव जीतने के लिए तैयार रहना चाहिए जहां केंद्र राज्य सरकार की जन उपयोगी कार्यों की योजना को लोगों तक पहुंचाया जाएगा।

जनविकास संस्था द्वारा धूमधाम से मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस "महिला सशक्तिकरण है समाज की उन्नति का आधार"

इंदौर। जनविकास सोसाइटी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर संस्था परिसर, पालदा में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें इंदौर की विभिन्न बस्तियों से असंगठित क्षेत्र में कार्यरत श्रमिक, घरेलू कामकाजी महिलाएं एवं स्वयं सहायता समूह की करीब 400 महिलाएं उपस्थित रहीं।

संस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ किया गया महिला सशक्तिकरण का उत्सव- कार्यक्रम में महिलाओं ने देश की विविध वेशभूषाओं को प्रदर्शित करते हुए नृत्य एवं गायन की शानदार प्रस्तुतियाँ दीं। इसके साथ ही, कई महिलाओं ने अपने प्रेरणादायक अनुभव साझा किए, जिससे महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने की दिशा में जागरूकता फैलाई गई।

महिलाओं को सम्मान एवं स्वरोजगार के लिए सहायता- समाज के हित में कार्य कर रही महिलाओं को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। साथ ही, आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से 30 महिलाओं को सिलाई मशीनें प्रदान की गईं। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को अधिक बचत एवं आत्मनिर्भरता के लिए पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी महिलाओं को संस्था की ओर से उपहार भी भेंट किए गए।

"Accelerate Action" थीम पर दिया गया जागरूकता संदेश - इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की थीम "Accelerate Action" रही, जिसका उद्देश्य समाज में महिलाओं की स्थिति में सुधार लाने की गति को तेज़ करना है। इस संदेश को बल देने के लिए विभिन्न विभागों में उच्च पदों पर कार्यरत महिला अधिकारियों को आमंत्रित कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति- इस विशेष अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सांसद श्रीमान शंकर लालवानी, धर्म प्रांत के प्रमुख श्रीमान बिसफ थॉमस मेथ्यु, डी.एस.पी उमाकांत चौधरी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती हेमलता अग्रवाल, डी.एस.पी श्रीमती शैलजा पटवा, उप निदेशक श्रीमती तारा पारगी, पार्षद श्रीमान मनीष शर्मा, एवं रोटरी क्लब आदर्श इंदौर के पदाधिकारी उपस्थित रहे। इसके अलावा, जनविकास सोसाइटी के निदेशक श्रीमान शिनोज जोसेफ सहित संस्था के सभी पदाधिकारी इस आयोजन का हिस्सा बने और महिलाओं के उत्थान हेतु संस्था की प्रतिबद्धता को दोहराया।

महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम- जनविकास सोसाइटी द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम न केवल महिलाओं को प्रेरित करने वाला रहा, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल भी साबित हुआ। संस्था ने महिलाओं के हित में निरंतर कार्य करने का संकल्प लेते हुए इस आयोजन को सफलतापूर्वक संपन्न किया।

जबलपुर हाईकोर्ट ने उमरिया कलेक्टर पर लगाया 25 हजार का जुर्माना, महिला को जिला बदर करने का आदेश रद्द

प्रवेश सिंह भोपाल

भोपाल । मध्य प्रदेश के जबलपुर हाईकोर्ट ने उमरिया कलेक्टर पर 25 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है. इतना ही नहीं उमरिया की रहने वाली माधुरी तिवारी के जिला बदर करने का आदेश भी निरस्त कर दिया है. दरअसल, जिला बदर करने के आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी. इसके साथ ही शहडोल संभागायुक्त को भी फटकार लगाई है. पूरा मामला 2024 का है. दरअसल, उमरिया कलेक्टर ने माधुरी तिवारी के खिलाफ जिला बदर का आदेश जारी किया गया था.बताया जा रहा है कि माधुरी पर 6 आपराधिक मामले दर्ज थे. इनमें से 2 धारा 110 के तहत थे. फिर 2 मामले मारपीट और 2 एनडीपीएस से जुड़ा केस था. हालांकि किसी भी मामले में महिला को सजा नहीं हुई थी. फिर जिला बदर के आदेश को माधुरी ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।

कोर्ट ने क्यों रद्द किया आदेश

जस्टिस विवेक अग्रवाल की एकल बेंच में इस मामले की सुनवाई हुई. इसके बाद कोर्ट ने जिला बदर का आदेश भी निरस्त कर दिया है. कोर्ट ने अपनी टिप्पणी में कहा कि शहडोल संभागायुक्त अपने विवेक का प्रयोग करें. डाक घर की ओर से काम नहीं करें. कोर्ट ने सुनवाई के दौरान पाया कि कलेक्टर ने एसएसओ के बयान के आधार पर आदेश जारी कर दिया था जांच में सामने आया कि माधुरी को 1 एनडीपीएस के केस में महज 1 दूसरे आरोपी के बयान के आधारपर फंसाया गया था।

कब्जे से कोई प्रतिबंधित पदार्थ बरामद नहीं किया गया था

इतना ही नहीं एसएचओ ने भी माना कि महिला से किसी का कोई विवाद नहीं था. इतना ही नहीं पाली के किसी भी व्यक्ति ने यह नहीं कहा था कि माधुरी के यहां रहने से उन्हें कोई खतरा है. फिर हाईकोर्ट ने कलेक्टर और संभाग आयुक्त के आदेश को गलत बताया. फिर कलेक्टर पर जुर्माना भी लगाने का निर्देश दिया।

जन्मदिवस विशेष

समाजसेवी, कवि एवं साहित्यकार विपिन जैन जी को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएं!

विशेष अवसर पर रणजीत टाइम्स के संपादक गोपाल गावंडे जी ने पौधा भेंट कर श्री विपिन जैन जी को विधिवत बधाई दी। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक अनोखी पहल करते हुए, श्री गावंडे जी ने कहा कि "हर जन्मदिवस पर पौधा रोपण करना न केवल प्रकृति के प्रति हमारा दायित्व है, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुंदर उपहार भी है।" श्री विपिन जैन जी अपनी साहित्यिक एवं समाजसेवा की गतिविधियों के माध्यम से समाज में एक सकारात्मक ऊर्जा प्रवाहित कर रहे हैं। उनके जन्मदिवस पर यह हरित उपहार उनकी सृजनात्मकता और समाज सेवा के प्रति समर्पण का प्रतीक है।

पर्यावरण बचाएं, हर जन्मदिन पर पौधा लगाएं!

क्या आप भी बनना चाहते हैं
जनता की आवाज ?
तो जुड़िए रणजीत टाइम्स न्यूज़पेपर के साथ और बनिए जनता की सशक्त आवाज
आपकी खबर आपकी ताकत!
जुड़ने के लिए अभी संपर्क करें
9827068888, 8224951278

5 फेमस क्रिकेटर्स जो इंदौर से हैं

जानें इन दिग्गज खिलाड़ियों के बारे में

प्रवेश सिंह

खेल की बात करें तो भारत में क्रिकेट एक धर्म की तरह है। लोग इस खेल को बहुत पसंद करते हैं। खेल का प्रभाव ऐसा है कि देश के लगभग हर कोने में छोटे बच्चे, बल्ले और गेंद से खेलते दिख ही जाते हैं। मध्य प्रदेश को न केवल अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण, बल्कि देश के प्रति इसके महत्व के कारण भी भारत का दिल कहा जाता है। संस्कृति हो या खेल, भारत के स्वर्णिम इतिहास में मध्य प्रदेश का महत्वपूर्ण स्थान है।

राहुल द्रविड़

राहुल शरद द्रविड़ जिन्हें "द वाल" के नाम से भी जाने जाते हैं। आज के समय में भारतीय क्रिकेट के कोच हैं। राहुल द्रविड़ भारतीय राष्ट्रीय टीम के पूर्व कप्तान थे, जो वर्तमान में इसके मुख्य कोच के रूप में काम कर रहे हैं।

राहुल द्रविड़ का जन्म 11 जनवरी 1973 को इंदौर में हुआ था। राहुल के नाम क्रिकेट इतिहास में कई रिकार्ड दर्ज हैं। द्रविड़ ने अपने टेस्ट करियर में कुल 31,258 गेंदों का सामना किया, जो लगभग 5210 ओवर हैं। किसी बल्लेबाज को द्रविड़ के इस विश्व रिकॉर्ड के करीब आते देखना मुश्किल है। 210 कैच के साथ, द्रविड के नाम टेस्ट क्रिकेट इतिहास में किसी फील्डर द्वारा सबसे अधिक कैच लेने का विश्व रिकॉर्ड है। चौंका देने वाली ईस संख्या के करीब कोई नहीं है। इस बात की पूरी संभावना है कि ये रिकॉर्ड भी हमेशा कायम रहेगा।

द्रविड़ मैराथन पारी खेलने के लिए जाने जाते थे। उनके लिए, बल्लेबाजी ध्यान की तरह थी और इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि, टेस्ट क्रिकेट इतिहास में क्रीज पर सबसे अधिक मिनट बिताने का विश्व रिकॉर्ड भी उनके नाम है। उन्होंने मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हुए कुल 44,152 मिनट बिताए, जो कि क्रिकेट के इतिहास में सर्वोच्च स्कोरर सचिन तेंदुलकर से भी अधिक है।

सैयद मुश्ताक अली

महान सैयद मुश्ताक अली एक महान प्रतिभाशाली क्रिकेटर थे, जो 17 दिसम्बर 1914 को, मध्य प्रदेश के इंदौर में जन्मे थे।उनकी प्रतिभा को परखने वाली महान हस्ती सीके नायडू थे। 13 साल की उम्र में नायडू ने उन्हें अपने संरक्षण में ले लिया और उनके गुरु बन गये। मुश्ताक अली में अलग प्रतिभा थी और उन्होंने अपने लगभग दो दशकों के करियर में इसका प्रदर्शन भी किया। 1936 में, मुश्ताक अली ने भारत के बाहर शतक बनाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बनकर इतिहास रच दिया, जब उन्होंने इंग्लैंड के मैनचेस्टर में अपनी टीम के लिए शतक लगाया। मुश्ताक अली भी डमेस्टिक टूर्नामेंट में भी जाने-माने व्यक्ति थे। पिच पर उनके आक्रामक स्वभाव ने अच्छे-अच्छे गेंदबाजों को डरने पर मजबूर दिया था उनकी उपलब्धियों को हमेशा याद रखने के लिए, बीसीसीआई ने एक घरेलू टूर्नामेंट का नाम सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी रखा। ताकि, उनका नाम भारतीय क्रिकेट के इतिहास में गूंजता रहे।

वेंकटेश अय्यर

वेंकटेश अय्यर दुनिया के दूसरे सबसे प्रसिद्ध क्रिकेट खिलाड़ी हैं। वेंकटेश अय्यर का जन्म 25 दिसम्बर 1994 को इंदौर में हुआ था।वेंकटेश अय्यर अपनी धुआंधार बटटिंग ओर मीडीअम पैस बोलिंग के लिए जाने जाते हैं। इन्होंने कई बार अपने बल्ले से लोगों को अपनी ताकत का नमूना बताया है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के महान मंच पर उनका उदय 2021 में शुरू हुआ जब वह कोलकाता नाइट राइडर्स में शामिल हुए। उनके साहसी स्ट्रोक प्ले और ऐरोगेन्ट बल्लेबाजी ने उन्हें एक शक्तिशाली ऑलराउंडर के रूप में ख्याति दिलाई है। वे बल्ले और गेंद दोनों से योगदान देने में सक्षम है। लेकिन, क्रिकेट पिच के बाहर, अय्यर विनम्रता और शांत किस्म के व्यक्ति हैं।

रजत पाटीदार

रजत पाटीदार क्रिकेट की दुनिया के एक शानदार बल्लेबाज हैं। दाएं हाथ के इस साहसी बल्लेबाज का जन्म जून 1993 में भारत के मध्य प्रदेश के इंदौर में हुआ था।रजत पाटीदार रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के लिए ओपनिंग बल्लेबाज और कप्तान के रूप में खेलते हैं। इन्होंने IPL टूर्नामेंट में अपने बल्ले के दम पर बहुत नाम कमाया है। ये जबरजस्त हिटिंग ओर गेम के अनुसार खेले जाने वाले प्लेयर का तौर पे जाने जाते हैं।

आवेश खान

आवेश खान का जन्म 13 दिसम्बर 1996 को मध्य प्रदेश के इंदौर में हुआ था। गति और चतुराई के युवा स्वामी अवेश खान, क्रिकेट में फास्ट गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं। वह अपनी और तेज रन-अप के साथ तेज़ गेंदबाजी से अपना जलवा बिखेरने में कमी नहीं कर रहे हैं। 17 वर्ष की कम उम्र में, मध्य प्रदेश की और से उन्होंने रणजी खेलना चालू कर दिया था। वह रणजी ट्रॉफी में अपने राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए। आवेश इंडियन प्रीमियर लखनऊ सुपर जाएंट्स के लिए खेलते हैं। उन्होंने 2021 सीज़न में अपनी टीम के लिए दूसरे सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बनकर आईपीएल इतिहास के इतिहास में अपनी छाप छोड़ी।

श्री स्वामी समर्थ महाराज ने 600 वर्ष की आयु में ली महासमाधि

गोपाल गांवडे,

संपादकीय विशेष

श्री स्वामी समर्थ महाराज का जन्म सन् 1275 के आसपास हुआ था। स्वामी जी को महाराष्ट्र, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में गंगापुर के स्वामी 'नृसिंह सरस्वती' के नाम से जाना जाता है तो वहीं कुछ जगहों पर उन्हें 'चंचल भारती' और 'दिगम्बर स्वामी' के नाम से भी जाना जाता है। कहा जाता है कि पहले स्वामी नृसिंह के रूप में उन्होंने अपने भक्तों को ज्ञान दिया। पूर्व स्वरूप में अलग-अलग समय पर उन्होंने लगभग 400 वर्षों तक तपस्या की। 1458 में नृसिंह सरस्वती श्री शैल्य यात्रा के कारण कर्दली वन में अदृश्य हुए। इसी वन में वह 300 वर्ष प्रगाढ़ समाधि अवस्था में थे। तभी उनके दिव्य शरीर के चारों ओर चींटियों ने भयंकर बांबी निर्माण किया। वह चलित दुनिया से दूर हो गए थे। एक दिन एक लकड़हारे की कुल्हाड़ी गलती से बांबी पर गिर गई जब उसने कुल्हाड़ी उठाई तो उसे खून के धब्बे दिखाई दिए उसने वहां की झाड़ी व बांबियों की सफाई की तो देखा की एक बुजुर्ग योगी साधना में लीन थे। घबराकर वह योगीराज के चरणों पर गिर पड़ा और ध्यान भंग करने की क्षमा मांगने लगा। स्वामी जी ने आंखें खोलीं और उससे कहा कि तुम्हारी कोई गलती नहीं है, यह मुझे फिर से दुनिया में जाकर अपनी सेवाएं देने का दैवीय आदेश हैं।

स्वामी का नया स्वरूप

नए स्वरूप में सन् 1854 से 30 अप्रैल 1878 (24 वर्ष) तक अक्कलकोट में रह कर लगभग 600 वर्ष की आयु में उन्होंने महासमाधि ली। कहते हैं कि वह बहुत जगह घूमे। प्रथम वह काशी में प्रकट हुए। आगे कोलकाता जाकर उन्होंने काली माता के दर्शन किए। इसके पश्चात गंगा तट से अनेक स्थानों का भ्रमण करके वह गोदावरी तट पर आए। वहां से हैदराबाद होते हुए 12 वर्षों तक वह मंगल वेढ़ा रहे। तदोपरांत पंढरपुर, मोहोल, सोलापुर मार्ग से अक्कलकोट आए। दत्त सम्प्रदाय में श्रीपाद श्रीवल्लभ तथा नृसिंह सरस्वती दत्तात्रेय के पहले तथा दूसरे अवतार माने जाते हैं। श्री स्वामी समर्थ ही नृसिंह सरस्वती हैं अर्थात दत्तावतार है। अक्कलकोट के परब्रह्म श्री स्वामी समर्थ अपने भक्तों को सुरक्षा का वचन देते हुए कहते थे, ''डरो नहीं, मैं तुम्हारी पीठ पीछे हूं।'' भक्तों को आज भी इसका भान होता है। श्री स्वामी समर्थ अक्कलकोट प्रथम खंडोबा के मंदिर में 1856 में प्रकट हुए। उन्होंने जनजागृति का कार्य किया। स्वामी गिरनार पर्वत पर अदृश्य हुए तथा दूसरे ही क्षण आंबेजोगाई में प्रकट हुए। हरिद्वार से काठेवाड़ के जीविका क्षेत्र स्थित नारायण सरोवर के बीचों-बीच सहजासन में बैठे दिखाई दिए। तदोपरांत भक्तों ने उन्हें पंढरपुर की भीमा नदी की बाढ़ में चलते हुए देखा। कहते हैं कि स्वामी जी पैदा होते ही केवल ॐ का उच्चारण करने लगे। 8 वर्ष की उम्र तक ॐ तथा ओमकार के अलावा उन्होंने कुछ नहीं कहा। उनके जनेऊ कार्यक्रम के बाद यकायक वह चारों वेदों को उच्चारित करने लगे फिर वह तपस्या करने कांची की तरफ निकल पड़े। उनकी भक्ति व तप से प्रसन्न होकर स्वामी श्री कृष्ण सरस्वती ने उन्हें दीक्षा दी। स्वामी जी शिव भक्त थे। गुरुओं की महानता के बारे में वह कहते थे कि गुरु के वचन मंत्र की तरह होते हैं और गुरु के बिना मुक्ति बहुत मुश्किल होती है। स्वामी समर्थ अपने शिष्यों से अक्सर कहते थे कि आलसी व्यक्ति का चेहरा भी मत देखो। अपने जीवन यापन के लिए मेहनत करो और पसीना बहाओ नशा मत करो। नशा आध्यात्म की पटरी से आदमी को उतार देता है। धर्म के रास्ते पर जीत अवश्य होती है गुरु की कृपा या साथ पाने के लिए अहंकार और शर्म छोड़नी चाहिए। वह कहते थे कि भाग्य का लिखा होकर रहेगा। स्थान-स्थान पर स्वामी समर्थ के अनगिनत भक्त हैं। 1878 में स्वामी समर्थ ने अक्कलकोट में अपने पार्थिव शरीर का भले ही त्याग किया हो किन्तु 'हम गया नहीं जिंदा है', उनका यह वचन भक्तों का आधार है।

होली

आतंरिक रंगों से मनायें होली का त्योहार-आध्यात्मिक तथ्य

होली रंगों का, स्नेह का, दोस्ती का त्योहार है

पुराने सारे बैर मिटाकर वातावरण में आपसी सद्भावना का संचार करना ही होली मनाने का उद्देश्य है। सहजयोग प्रणेता और हमारी परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी होली पर जो प्रवचन दिया था, उसके आधार पर," कुंडलिनी के माध्यम से साधक विराट द्वारा निर्मित अपने शरीर में स्नेह का संचार करते हैं जिससे हमारा शरीर चैतन्य की अनुभूति पाता है। रंग सभी चक्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं। हर चक्र का अलग रंग है। चैतन्य के माध्यम से हमारे अंदर स्थित चक्रों का रंग पूरे वायु में स्नेह रुप में प्रवाहित होने लगता है,हम इस प्रवाह के माध्यम बन जाते हैं। जब हम किसी को रंग लगाते हैं तब हमारे साथ उस रंग से जुड़ा उसका चक्र भी आशिर्वादित होता है। जब हम किसी को लाल रंग लगाते हैं तब अंजाने ही हमारी यह भावना होती है कि वह लाल रंग से पूर्णतया रंग जाये। लाल रंग मूलाधार का चक्र है और अबोधिता का द्योतक है। होली का आध्यात्मिक तथ्य माताजी के प्रवचन के सारांश से स्पष्ट होता है। रंगों की सुगंध और मिठाई की खुशबू इस त्योहार की रंगीन और मीठा बनाती है।

योग ज्ञान के आधार पर अबोधिता गुण मूलाधार चक्र (जड़ चक्र)का रंग लाल, सृजनात्मकता वाले चक्र स्वाधिष्ठान का पीला, संतुष्टि प्रदान करने वाले नाभी का रंग हरा, निर्भयता व आत्मविश्वास देने वाले हृदय चक्र का रंग माणिक लाल, साक्षी भाव प्रदान करने वाले विशुद्धि का रंग नीला, क्षमाशीलता के गुण वाले आज्ञा चक्र का रंग सफेद और सदाशिव के आसन सहस्त्रार का रंग इंद्रधनुषी है। अपने प्रियजनों और मित्रों को रंग लगाते समय सहज योगी साधक की सार्थकता सभी को मिले, यही हमारी परमपूज्य श्री माताजी से है। होली की कथा यह है कि होलिका की मृत्यु के सुख, संतुष्टि और शांति से आल्हादित लोगों ने एक दूसरे पर होलिका दहन का राख मलकर होली मनाया था। कथा यह भी है कि कामदेव ने शिव पर अपने पुष्प बाण से प्रहार किया, जिससे शिव की समाधि भंग हो गयी. क्रुद्ध होकर, शिव ने अपना तीसरा नेत्र खोलकर कामदेव को भस्म कर दिया बाद में, देवताओं ने शिव को पार्वती से विवाह के लिए राजी किया इस घटना को याद करते हुए, फाल्गुन पूर्णिमा को होली के रूप में मनाया जाता है। कथा है कि पौराणिक कथाओं के मुताबिक, ब्रज में सबसे पहले होली श्रीकृष्ण और राधा ने खेली थी. कहा जाता है कि श्रीकृष्ण ने ही अपने ग्वालों के साथ होली खेलने की शुरुआत की थी। होली की शुरुआत पर चाहे कितनी भी कहानी हो, उद्देश्य बेहद सुखद है क्योंकि जीवन रंगों का महत्व बहुत गहरा होता है, क्योंकि वे ऊर्जा, भावनाओं और आध्यात्मिक चेतना को प्रभावित करते हैं। विभिन्न रंग विभिन्न ऊर्जाओं और गुणों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो योग अभ्यास और साधना के लिए तो उपयोगी है ही, बडी सार्थकता के साथ हमारे त्योहारों से भी जुड़े हैं। सहज योग को गहनता से समझने, जुड़ने और आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करने हेतु अपने नज़दीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से प्राप्त कर सकते हैं या वेबसाइट www.sahajayoga.org.in पर देख सकते हैं। सहज योग पूर्णतया निशुल्क है।

जीआईएस-भोपाल से स्पीड-अप होने लगा ईवी और ऑटोमोबाइल सेक्टर : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जीआईएस भोपाल के शुभारंभ पर प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहनों के पंजीकरण की बढ़ती संख्या को मध्यप्रदेश में ईवी क्रांति की बढ़ती स्वीकार्यता और निवेशकों के लिए इसमें अपार संभावनाओं को रेखांकित किया था। मध्यप्रदेश ऑटोमोबाइल और ईवी के क्षेत्र में न केवल निर्माण बल्कि नवाचार और अनुसंधान के हब के रूप में उभर रहा है। सरकार निवेशकों को हरसंभव सुविधाएं प्रदान कर रही है। मध्यप्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) और ऑटोमोबाइल सेक्टर को जबरदस्त गति मिल रही है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) भोपाल के मंच से मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश को इस क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई।

प्रदेश में स्थापित होंगे ईवी और ऑटोमोबाइल विकास के नए आयाम: जीआईएस-भोपाल में देश-विदेश की प्रमुख ऑटोमोबाइल और ईवी कंपनियों ने हिस्सा लिया। वर्तमान में प्रदेश में 30 से अधिक मूल उपकरण निर्माता कंपनियां कार्यरत हैं और 200 से अधिक कंपनियां वाहन कल-पुर्जों का निर्माण कर रही हैं। वाणिज्यिक वाहन निर्माण में मध्यप्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है, जबकि बस और ट्रैक्टर निर्माण में यह दूसरे स्थान पर है।

जीआईएस- भोपाल में ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड बनाने वाली कंपनी हिंदुस्तान इलेक्ट्रो-ग्रेफाइट (एचईजी) ने 1,800 करोड़ रुपये के निवेश का करार किया। देवास में बनने वाले इस संयंत्र में ग्रेफाइट एनोड का उत्पादन होगा, जिससे ईवी बैटरियों की लागत में कमी आएगी और उद्योग को नया प्रोत्साहन मिलेगा।

पीथमपुर बन रहा भारत का 'डेट्रॉयट': मध्यप्रदेश का पीथमपुर ऑटो-क्लस्टर लगभग 4,500 हेक्टेयर में फैला हुआ है और यह देश के सबसे बड़े ऑटोमोबाइल केंद्रों में से एक बन चुका है। यहां फोर्स मोटर्स, आयशर मोटर्स, एवीटीएसी मोटर्स, काइनेटिक मोटर्स जैसी दिग्गज कंपनियां कार्यरत हैं। साथ ही, 60 से अधिक ऑटो कल-पुर्जा निर्माता कंपनियां यहां अपने उत्पाद बना रही हैं। पीथमपुर में स्थित एशिया का सबसे लंबा हाई-स्पीड टेस्टिंग ट्रैक 'नैट्रैक्स' (11 किमी) वाहन परीक्षण के लिए अत्याधुनिक तकनीक से लैस है, जो इसे वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाता है।

एमपी मोबिलिटी एक्सपो 2025: नवाचार और निवेश का केंद्र

जीआईएस समिट में एमपी मोबिलिटी एक्सपो-2025 का आयोजन किया गया, जिसमें ब्रिजस्टोन, ज़ेडएफ स्टीयरिंग, मदरसन गेबियल, आनंद इंडस्ट्रीज जैसी कंपनियों ने भाग लिया। एक्सपो में सुपर कार और सुपर बाइक प्रदर्शनी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। विभिन्न स्टार्ट-अप्स ने अपने नवाचार प्रस्तुत किए, जिससे प्रदेश में नई तकनीकों के समावेश को बढ़ावा मिला।

ईवी और सस्टेनेबल मोबिलिटी की दिशा में कदम

मध्यप्रदेश ईवी बैटरी निर्माण, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर और हाइड्रोजन फ्यूल इनोवेशन में तेजी से निवेश आकर्षित कर रहा है। स्वच्छ और सस्टेनेबल ऑटोमोबाइल निर्माण को बढ़ावा देने के लिय राज्य सरकार विशेष नीतियां लागू कर रही है।

प्रदेश में निवेश के लिये ऑटोमोबाइल और ईवी निवेशकों में उत्साह

मध्यप्रदेश सरकार ऑटोमोबाइल सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए कर-प्रोत्साहन, शीघ्र अनुमोदन प्रक्रिया और उत्कृष्ट लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर की सुविधा दे रही है। वित्त वर्ष 2023-24 में प्रदेश के ऑटोमोबाइल और वाहन कल-पुर्जा क्षेत्र ने 19.2 करोड़ डॉलर मूल्य का निर्यात किया। इससे प्रदेश को राजस्व प्राप्त हुआ और हजारों नए रोजगार के अवसर सृजित हुए।

प्रमुख कंपनियों की भागीदारी

जीआईएस-भोपाल में ऑटो मोबाइल और इलेक्ट्रिक व्हीकल सेक्टर में काम कर रही प्रमुख कंपनियों ने हिस्सेदारी की। ऑटो-एक्सपो में ब्रिजस्टोन, जेडएफ स्टीयरिंग, बाडवे इंजीनियरिंग, मदरसन गेबियल, पिस्टल देवास, आनंद इंडस्ट्रीज, झालानी इंजीनियर्स, एसडी एक्सेल प्रा. लिमिटेड, जगतजीत इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड, टैफे मोटर्स एंड ट्रैक्टर्स लिमिटेड, वी.ई. कमर्शियल व्हीकल्स लिमिटेड और पिनेकल इंडस्ट्रीज शामिल थीं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा किईवी-मोबिलिटी के विस्तार से मध्यप्रदेश में कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी और पर्यावरण के अनुकूल परिवहन नीति को प्रोत्साहन मिलेगा। इससे राज्य न केवल आर्थिक समृद्धि की ओर अग्रसर होगा, बल्कि हरित ऊर्जा और सतत् विकास की दिशा में भी मिसाल कायम करेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री मोदी का माना आभार

माधव राष्ट्रीय उद्यान बना म.प्र. का 9वां और देश का 58वां टाइगर रिजर्व

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का माधव राष्ट्रीय उद्यान को देश का 58वां और मध्यप्रदेश का 9वां टाईगर रिजर्व की सौगात प्रदान करने के लिये आभार माना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया च्एक्सज पर केन्द्र सरकार के इस निर्णय को प्रदेश के वन्य जीव संरक्षण प्रयासों के लिए ऐतिहासिक कदम बताया है। उन्होंने कहा कि यह मध्यप्रदेश को वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में मिली एक और बड़ी उपलब्धि है। माधव राष्ट्रीय उद्यान शिवपुरी जिले में स्थित है। यह ऐतिहासिक और प्राकृतिक दृष्टि से बेहद समृद्ध है। टाइगर रिजर्व घोषित करने से यहां वन्यजीवों के संरक्षण के साझा प्रयासों को और अधिक मजबूती मिलेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सदैव ही वन्य जीव संरक्षण में अग्रणी रहा है। यह नया टाइगर रिजर्व राज्य की जैव विविधता को और अधिक सशक्त करेगा। उन्होंने कहा कि इससे बाघों के संरक्षण को बल मिलेगा, साथ ही पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा मिलेगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने रविवार को सोशल मीडिया 'एक्स' पर पोस्ट किया कि वन्य जीव प्रेमियों के लिए एक आश्चर्यजनक समाचार प्राप्त हुआ है। भारत वन्य जीव विविधता और वन्यजीवों के संरक्षण करने वाली संस्कृति से धन्य है। हम हमेशा हमारे वन्य प्राणियों की रक्षा करने और एक सतत् विकासशील ग्रह में जीवन कायम रखने में योगदान देने में सबसे आगे रहेंगे।

केन्द्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर माधव राष्ट्रीय उद्यान को टाईगर रिजर्व घोषित किए जाने के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा पृथ्वी पर पारिस्थितिकी विविधता को बहाल करने पर दिए गए ऐतिहासिक जोर के साथ भारत पर्यावरण संरक्षण और वन्य जीव संरक्षण में लगातार बड़ी प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह घोषणा करते हुए मुझे खुशी हो रही है कि देश ने अपने टाइगर रिजर्व की सूची में 58वां टाइगर रिजर्व जोड़ लिया है, जिसमें नवीनतम नाम मध्यप्रदेश के माधव टाइगर रिजर्व का है। यह मध्यप्रदेश का 9वां टाइगर रिजर्व है। केंद्रीय मंत्री श्री यादव ने देश के सभी वन्य जीव प्रेमियों और संरक्षणवादियों को बधाई देते हुए कहा कि यह विकास हमारे वन अधिकारियों के अथक प्रयासों का प्रमाण है, जो निस्वार्थ भाव से वन्य जीव संरक्षण के पावन उद्देश्य के लिए काम कर रहे हैं।

शराब दुकानों के टारगेट से 120 करोड़ ज्यादा मिलेंगे

भोपाल की 85 दुकानों की नीलामी, 11 प्रतिशत ज्यादा में गई; 4 ग्रुप में बांटी थी

भोपाल (नप्र)। भोपाल की कुल 87 कंपोजिट शराब दुकानों की वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए नीलामी की प्रक्रिया पूरी हो गई है। अबकी बार इन दुकानों के ठेके 1193 करोड़ रुपए से ज्यादा में हुए हैं, जो टारगेट से 11 प्रतिशत यानी, 120 करोड़ रुपए अधिक है।

दुकानों की ऑनलाइन आक्शन के जरिए नीलामी की गई। इनकी रिजर्व प्राइस (आरपी) 1073 करोड़ निर्धारित की गई थी, जबकि टेंडर खुले तो उच्चतर ऑफर राशि 1193 करोड़ रुपए आई। रविवार तक यह प्रक्रिया चलती रही। सहायक आयुक्त आबकारी दीपम रायचुरा, उपायुक्त यशवंत धनौरा, जिला कंट्रोलर एचएस गोयल आदि जुटे रहे। जिला कंट्रोलर गोयल ने बताया कि भोपाल जिले की सभी दुकानों की नीलामी हो गई है। कोई दुकानें शेष नहीं है।

इन चार ग्रुप में बांटी गई थी दुकानें

ग्रुप-1 = गोलजोड़ रोड, गेहूंखेड़ा, कोलार रोड, चूनाभट्टी, शाहपुरा, बिट्टन मार्केट, अरेरा कॉलोनी, त्रिलंगा, गुलमोहर, आरएस मार्केट, पंचशील नगर, टीनशेड, न्यू मार्केट क्रमांक-1 और 2, डिपो चौराहा, पीएंडटी चौराहा, नेहरू नगर क्रमांक-1 और 2, नीलबड़।

ग्रुप-2 = एमपी नगर जोन-1 और 2, अन्ना नगर, हबीबगंज फाटक, नारायण नगर, बागसेवनिया, बागमुगालिया, ग्यारह मील तिराहा, बरखेड़ा पठानी, खजूरीकलां, बिलखिरिया, रत्नागिरी चौराहा, कोकता, पटेल नगर, पिपलानी, अयोध्या नगर।

ग्रुप-3 = सूखी सेवनिया, भानपुर चौराहा, करोंद चौराहा, पीपल चौराहा, डीआईजी बंगला, छोला-नाका, छोला रोड, हमीदिया रोड, बस स्टैंड (हमीदिया रोड), अल्पना तिराहा, जहांगीराबाद, इतवारा चौक, मंगलवारा, स्टेशन बजरिया, सिंकदरी सराय(स्टेशन रोड), ऐशबाग, पुल बोगदा, बरखेड़ी, चांदबड़, सेमरा, विवेकानंद चौक, प्रभात चौराहा, सुभाष नगर, गोविंदपुरा, गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया।

ग्रुप-4 = पुराना किला, पीरगेट, शाहजहांनाबाद क्रमांक-1 और 2, स्टेट बैंक चौराहा, लालघाटी क्रमांक-1 और 2, पीएनबी चौराहा, संतनगर बस स्टैंड, सीहोर नाका, इंदौर रोड, बरखेड़ा बोंदर, झिरनिया, तारासेवनियां, गांधीनगर क्रमांक-1 और 2, बैरसिया क्रमांक-1 और 2, ईटखेड़ी, गुनगा, रतुआ, नजीराबाद, नजीराबाद. परसौरा, हिरनखेड़ी, ललरिया, रुनाह, हर्राखेड़ा।

पिछली बार कैंसिल हो गई थी प्रक्रिया

रिजर्व प्राइस 1087 करोड़ की राशि का 80 प्रतिशत राजस्व नहीं मिलने के कारण पिछली बार नवीनीकरण और लॉटरी की प्रक्रिया निरस्त कर दी गई थी 19 समूहों की 49 दुकानों के संचालकों ने 20प्रतिशत ज्यादा राशि देकर 607 करोड़ में नवीनीकरण कराया था। यह कुल राजस्व का 56.57 प्रतिशत रहा। शेष 16 समूह की 38 दुकानों के लिए लॉटरी प्रक्रिया में सिर्फ 6 समूहों के लिए आवेदन आए जबकि 10 समूहों के लिए आवेदन नहीं आए। जबकि इस प्रक्रिया में 251.40 करोड़ नहीं आया। इस कारण नए टेंडर बुलाने पड़े थे।

देर रात तक चली प्रक्रिया

शनिवार को टेंडर का आखिरी दिन था। इसके बाद आगे की प्रक्रिया हुई, जो देर रात तक चली और रविवार सुबह तक फाइनल हुई। नीलामी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद सरकार को भोपाल से आबकारी विभाग से अब 1193 करोड़ रुपए से ज्यादा मिलेंगे। पिछले साल 895 करोड़ रुपए मिले थे।

> मत्स्य पालन करते समय मछलियों को होने वाले रोगों की ओर ध्यान देना आवश्यक होता है। मछलियाँ भी अन्य प्राणियों के समान प्रतिकूल वातावरण में रोगग्रस्त हो जाती है। रोग फैलते ही संचित मछलियों के स्वभाव में प्रत्यक्ष रूप से अंतर आ जाता है। फिर भी साधारणत: मछलियाँ रोग-व्याधि से लड़ने में पूर्णत: सक्षम होती हैं।

मत्स्य जीवाणु जनित रोग एवं उनका उपचार

रोगग्रस्त मछलियों के लक्षण

- अनियंत्रित तैरती हैं। तथा उनकी बेचैनी बढ जाती है।
- मछली के शरीर का रंग धूमिल पड़ जाता है। चमक में कमी हो जाती है तथा शरीर पर श्लेष्मिक द्रव के स्त्राव से शरीर चिपचिपा और चिकना हो जाता है।
- बीमार मछली समूह में न रहकर किनारे पर अलग–थलग दिखाई देती है, तथा वे शिथिल हो जाती है।
- अपने शरीर को बंधान के किनारे अथवा पानी में गड़े बाँस के ठूँठ से बार–बार रगड़ती है। आहार नहीं लेती है।
- पानी में बार–बार गोल–गोल घूमती है।
- मुँह खोलकर बार–बार वायु अन्दर लेने का प्रयास करती है।
- मछलियों का पानी में सीधा टंगे रहना। कभी–कभी उल्टी भी हो जाती है।
- कभी–कभी आँख, शरीर तथा गलफड़ फूल जाते हैं।
- शरीर की त्वचा फट जाती है तथा उससे खून निकलने लगता है।
- गलफड़ (गिल्स) की लाली कम हो जाती है, और उनमें सफेद धब्बों का बनना शुरू हो जाता है।

उपरोक्त कारणों से मछली की बाढ़ रूक जाती है तथा कालान्तर में तालाब में मछली मरने भी लगती है।

रोग के कारण

- मछली के वर्ज्य पदार्थ जल में एकत्रित होते जाते हैं तथा वे मछली के अंगों जैसे गलफड़े, चर्म, मुखगुहा के सम्पर्क में आकर उन्हें नुकसान पहुँचाते हैं।

- रसायनिक परिवर्तन – पानी की गुणवत्ता, तापमान, पी.एच., ऑक्सीजन, कार्बन डाईऑक्साइड आदि की असंतुलित मात्रा मछली के लिए हानिकारक होती है।
- अनेक प्रकार के रोगजनक जीवाणु व विषाणु पानी में रहते है जब मछली प्रतिकूल परिस्थिति में कमजोर हो जाती है तो उस पर जीवाणु–विषाणु आक्रमण करके रोग ग्रसित कर देते हैं।
- कार्बनिक खाद, उर्वरक या आहार आवश्यकता से अधिक दिए जाने से विषैली गैसें उत्पन्न होती हैं जो नुकसानदायक होती हैं।

प्रमुखत: रोगों को चार भागों में बांट सकते हैं

(अ) जीवाणु जनित रोग
(ब) परजीवी जनित रोग
(स) कवक (फंगस) जनित रोग
(द) विषाणु जनित रोग

एडवर्डसिलोसिस

लक्षण– इसे सड़कर गल जाने वाला रोग भी कहते हैं, यह एडवर्डसिला टारडा नामक जीवाणु से होता है। प्राथमिक रूप से मछली दुर्बल हो जाती है, शल्क गिरने लगते हैं फिर पेशियों में गैस से फोड़े बन जाते हैं चरम अवस्था में मछली से दुर्गन्ध आने लगती है।

अनेक कार्यक्रमों की प्रस्तुति के अलावा किया महिलाओं का सम्मान

रणजीत टाइम्स - जगदीश पाल

पिछोर(शिवपुरी)टेकरी सरकार हनुमान मंदिर के पास स्थित श्री राम वाटिका में शनिवार 8 मार्च को पिछोर की एक महिला सामाजिक संगठन वूमेन्स पावर ग्रुप द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की भूमिका और सम्मान को लेकर एक विशाल कार्यक्रम का आयोजन किया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर जिला पंचायत अध्यक्षा श्रीमती नेहा यादव को आमंत्रित किया गया तो कार्यक्रम की अध्यक्षता पुलिस उप निरीक्षिका प्रियंका शर्मा ने की वही कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में छत्रसाल महाविद्यालय प्रोफेसर डॉ अंजु सहारे व विशिष्ट अतिथि श्रीमती कामता बाई लोधी जिला पंचायत सदस्या और प्राध्यापक डॉ बबीता बाथम को भी आमंत्रित किया थे दीप प्रज्वलन के उपरांत अतिथियों का स्वागत सत्कार किया गया तदपरांत कार्यक्रम प्रारंभ किया गया गया कार्यक्रम की थीम देवी अहिल्या तृषा शताब्दी समारोह के तहत रखी गई है इसी क्रम में ग्रुप मेंबर रितु भट्ट द्वारा कथक नृत्य की सुंदर प्रस्तुति दी गई फिटनेस एक्सपर्ट रितु सिंह गौर ने एक लोकनाथ प्रस्तुत किया निशा गुप्ता ने एक नई कविता विषय पर अपनी कविता का पाठ किया कार्यक्रम में महिलाओं के स्वास्थ्य से संबंधित जानकारियां खनियाधाना की महिला चिकित्सक रितु चौधरी द्वारा विस्तृत रूप से दी गई बात करें शिक्षा की तो संगीता गुप्ता के द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं के योगदान पर सारगर्भित उद्बोधन दिए गए इसी तारतम्य में धर्म और सामान्य ज्ञान से संबंधित महिलाओं ने प्रश्न किये तो उनके प्रश्नों का समाधान भी खूब हुआ और पुरस्कृत भी किया गया सम्मान के क्रम में बुजुर्ग महिला सम्मान ब्यूटीशियन महिला सम्मान महिला सम्मान तथा गायत्री शक्तिपीठ मातृशक्ति सम्मान भी दिया गया जिसमें श्रीमती राजकुमारी लोधी गायत्री शक्तिपीठ व्यवस्थापिका तथा पूर्व व्यवस्थापिका श्रीमती शकुंतला शर्मा को भी सम्मानित किया गया वही बीजेपी की वरिष्ठ नेत्री श्रीमती पूनम सोनी को भी सम्मानित किया गया इसी दौरान विभिन्न भजन मंडलों के महिलाओं को भी महिला दिवस पर सम्मानित किया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नेहा यादव ने महिला शक्ति को सृष्टि की धुरी बताया कहा कि आज के दौर में महिला अंतरिक्ष पर जाने से लेकर हर महत्वपूर्ण कार्य में अपनी भूमिका बराबर निभा रही है महिलाओं ने बहुत से कार्यों में अपने को साबित किया है वह आज हर क्षेत्र में सफल भूमिका में नजर आ रही है कार्यक्रम की संयोजक रश्मि भट्ट ने बताया कि पिछले 5 वर्षों से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया जाता रहा है भविष्य में कार्यक्रम को नई दिशा और दशा दी जाएगी।

ऑटिस गिब्सन केकेआर के सहायक कोच बने

कोलकाता, एजेंसी। वेस्टइंडीज के पूर्व तेज गेंदबाज ऑटिस गिब्सन को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने आईपीएल 2025 के लिए अपना सहायक कोच बनाया है। वह रयान टेन डेशकाटे की जगह लेंगे, जो अब भारत के सहायक कोच हैं। गत विजेता केकेआर ने हाल ही में अजिंक्य रहाणे को अपना नया कप्तान और वेंकटेश अय्यर को उपकप्तान बनाया था। पिछले साल के उनके मेंटॉर गौतम गंभीर और तेज गेंदबाजी कोच मोर्न मॉर्कल भी भारतीय टीम से जुड़ चुके हैं, जबकि खिताब जिताने वाले कप्तान श्रेयस अय्यर भी अब पंजाब किंग्स के साथ हैं।

इससे पहले केकेआर ने ड्वेन ब्रावो को अपना मेंटॉर बनाया था। टीम के मुख्य कोच अभी भी चंद्रकांत पंडित हैं, जबकि बी अरूण, चार्ल क्रो और नेथन लीमॉन कोचिंग स्टाफ के अन्य सदस्य हैं। गिब्सन संन्यास लेने के बाद लगातार कोचिंग की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। 2007 में वह इंग्लैंड की राष्ट्रीय टीम के गेंदबाजी कोच थे। इसके बाद वह वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के मुख्य कोच बने। इसके बाद वह फिर से इंग्लैंड के गेंदबाजी कोच बने और फिर इसी भूमिका में बांग्लादेश टीम के साथ गए। वह कई फ्रेंचाइजी लीग में भी कोचिंग कर चुके हैं।

संन्यास लें या न लें

अगले ICC टूर्नामेंट में नहीं दिखेंगे भारत के ये 3 दिग्गज

नई दिल्ली, एजेंसी। रोहित शर्मा को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। हालांकि, भारतीय टीम के उपकप्तान शुभमन गिल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इन अटकलों को खारिज भी किया, लेकिन इन सभी सवालों के जवाब के लिए ज्यादा इंतजार करने की जरूरत नहीं है। एक बात तय है कि रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविंद्र जडेजा संन्यास लें या न लें भविष्य में तीनों शायद ही आईसीसी टूर्नामेंट में दिखें। कम से कम अगले आईसीसी टूर्नामेंट में तो तीनों नहीं दिखेंगे, जो 2026 में होना। ये खिलाड़ी उम्र के उस पड़ाव पर हैं कि वे शायद ही 2027 तक खेलें।

क्या 31 महीने तक खेल जारी रख पाएंगे ये दिग्गज

2027 वनडे वर्ल्ड कप अक्टूबर-नवंबर में होगा यानी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 फाइनल के बाद 31 महीने का समय। रोहित शर्मा 30 अप्रैल को 38 साल के हो जाएंगे। 31 महीने बाद उनकी उनकी उम्र 40 साल से ज्यादा होगी। रविंद्र जडेजा 6 दिसंबर को 37 के हो जाएंगे। वह 2027 वनडे वर्ल्ड कप तक 39 साल के हो जाएंगे। विराट कोहली 5 नवंबर को 37 के हो जाएंगे।

2027 वनडे वर्ल्ड कप तक उनकी उम्र भी 39 साल के आसपास होगी। इस उम्र तक खिलाड़ी संन्यास ले लेते हैं। एमएस धोनी 43 साल की उम्र में आईपीएल खेल रहे हैं, लेकिन उन्होंने भी अपना आखिरी वनडे जून 2019 में खेला था। रोहित, विराट और रविंद्र जडेजा तीनों के लिए सबसे बड़ा चैलेंज यह भी है कि अब ज्यादा वनडे क्रिकेट नहीं खेला जाता और टेस्ट क्रिकेट की बात करें तो जैसा ऑस्ट्रेलिया का दौरा रहा है और अगर इंग्लैंड दौरे पर वे खुद को साबित नहीं कर पाए तो शायद ही आगे खेलना जारी रख पाएं।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में नहीं दिखेंगे दिग्गज

चैंपियंस ट्रॉफी के बाद 1 साल के अंदर 1 आईसीसी फाइनल और 1 आईसीसी टूर्नामेंट होना है। जून में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल 2025 खेला जाएगा। भारतीय टीम घरेलू सरजमीं पर न्यूजीलैंड के खिलाफ और फिर ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी हारकर लॉर्ड्स का टिकट बुक नहीं करा पाई। यही वजह है कि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 का फाइनल ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच खेला जाएगा। साल 2026 में भारत और श्रीलंका की मेजबानी में टी20 वर्ल्ड कप होना है। रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविंद्र जडेजा इसमें खेलते नहीं दिखेंगे। वजह साफ है तीनों टी20 इंटरनेशनल से संन्यास ले चुके हैं।

जोकोविच पहले मैच में हारे

नई दिल्ली, एजेंसी। पांच बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच को रविवार (आईएसटी) को इंडियन वेल्स ओपन के पहले दौर में लकी लूजर बोटिक वैन डे जैन्डसचुल्प के हाथों हार का सामना करना पड़ा। वैन डे जैन्डसचुल्प ने जोकोविच को 6-2, 3-6, 6-1 से हराकर अपनी बढ़ती हुई दिग्गज किलिंग प्रतिष्ठा में इजाफा किया। वह इंडियन वेल्स में जोकोविच को हराने वाले लगातार दूसरे लकी लूजर बन गए। जोकोविच लगातार अपना तीसरा मैच हार गए, जो आखिरी बार 2018 में चोट से प्रभावित सीजन के हिस्से के रूप में हुआ था। उन्होंने 2025 में भी चोटों का सामना किया है, ऑस्ट्रेलियन ओपन में उनकी हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई थी। मुझे लगता है कि यह मेरे लिए ऑफिस का एक बुरा दिन था। मैं टेनिस के स्तर के लिए खेद व्यक्त करता हूं, क्योंकि मैं इन दिनों जिस तरह से अभ्यास करता हूं, वह बहुत ही खराब है। सेंटर कोर्ट और अन्य कोर्ट के बीच बहुत अंतर है। जोकोविच ने कहा, बॉल सेंटर कोर्ट पर कुछ सबसे ऊंचे क्ले कोर्ट से भी ऊंची उछल रही थी। अलेक्जेंडर ज्वेरेव के खिलाफ ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में रिटायर होने, दोहा ओपनर में माटेओ बेरेटिनी से हारने और अब वैन डे जैन्डसचुल्प से हारने के बाद, यह दूसरी बार है जब जोकोविच 2008 सीजन (2018 ऑस्ट्रेलियन ओपन-मियामी) की शुरुआत के बाद से लगातार तीन मैच हारे हैं। एटीपी मास्टर्स 1000 स्तर पर सबसे ज्यादा खिताब (40), फाइनल (59) और सेमीफाइनल (78) का रिकॉर्ड रखने वाले सर्ब मास्टर्स 1000 के इतिहास में सबसे ज्यादा मैच जीतने के मामले में नडाल की बराबरी करने से चूक गए, हालांकि रिकॉर्डधारी नडाल के पास पहले से ही सबसे ज्यादा मास्टर्स खिताब हैं। वैन डे जैन्डसचुल्प ने जोकोविच के एक असामान्य रूप से त्रुटिपूर्ण शुरुआती सेट का फायदा उठाया और निर्णायक गेम में कुछ बेहतरीन शॉट-मेकिंग कौशल का प्रदर्शन करते हुए दो घंटे एक मिनट में जीत हासिल की।

निशांत वत्स को मिला 'बेस्ट यंगेस्ट जर्नलिस्ट ऑफ द ईयर' अवार्ड

प्रवेश सिंह , रणजीत टाइम्स

नोएडा/नई दिल्ली। पत्रकारिता जगत में एक नई उपलब्धि हासिल करते हुए पब्लिक एशिया के एडिटर और एंकर निशांत वत्स को मीडिया फेडरेशन ऑफ इंडिया (MFI) द्वारा 'बेस्ट यंगेस्ट जर्नलिस्ट ऑफ द ईयर' के प्रतिष्ठित अवार्ड से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें उनकी बेहतरीन पत्रकारिता, समाज के विविध मुद्दों पर जागरूकता फैलाने और निष्पक्ष रिपोर्टिंग के लिए प्रदान किया गया।

शिांत वत्स ने पत्रकारिता के क्षेत्र में कम उम्र में ही एक अलग पहचान बनाई है। उनके द्वारा किए गए कई महत्वपूर्ण समाचार कवरेज और रिपोर्ट्स ने न सिर्फ जनता को जागरूक किया, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सामाजिक मुद्दों को निष्पक्षता और सच्चाई के साथ प्रस्तुत करने की उनकी शैली ने उन्हें दर्शकों और पाठकों के बीच विश्वसनीय बनाया है।

पुरस्कार प्राप्त करने के बाद निशांत वत्स ने कहा कि यह सम्मान उनके लिए गर्व का विषय है और इसका श्रेय वह अपने परिवार, सहयोगियों और दर्शकों को देते हैं, जिन्होंने हर कदम पर उनका साथ दिया। उन्होंने आगे कहा कि यह पुरस्कार उनके लिए एक नई जिम्मेदारी भी है कि वे पत्रकारिता के मूल्यों को बनाए रखते हुए समाज के लिए सत्य और निष्पक्ष समाचार प्रस्तुत करते रहें। निशांत वत्स की इस उपलब्धि से पत्रकारिता जगत में एक सकारात्मक संदेश गया है। यह सम्मान अन्य युवा पत्रकारों को भी प्रेरित करेगा कि वे अपने कार्य में ईमानदारी, मेहनत और समर्पण बनाए रखें।

मीडिया फेडरेशन ऑफ इंडिया का यह सम्मान पत्रकारिता के क्षेत्र में युवा प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने और उनके योगदान को सराहने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

यूपी के नेता राजा भैया के खिलाफ दिल्ली में एफआईआर

नईदिल्ली, एजेंसी।
उत्तर प्रदेश के नेता रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया के खिलाफ दिल्ली के सफदरजंग एंक्लेव थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। उनके खिलाफ उनकी पत्नी भानवी कुमारी सिंह ने प्रताड़ित करने का आरोप लगाया था। भानवी सिंह पिछले काफी समय से अपने पति से अलग दिल्ली में रह रही हैं।

भानवी कुमारी सिंह की ओर से दिल्ली पुलिस को दी गई लिखित शिकायत में अपने पति रघुराज प्रताप सिंह के खिलाफ शारीरिक और मानसिक तौर पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया गया है। इसके साथ ही उन्होंने पुलिस से सुरक्षा की गुहार लगाई है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आईपीसी की धारा 498 के तहत यह एफआईआर दर्ज कर ली है। इस मामले में फिलहाल आगे की जांच जारी है।

दिल्ली पुलिस का कहना है कि यह मामला पहले क्राइम अगेंस्ट वुमेन सेल में चल रहा था और मीडिएशन सेंटर भी गया था। इसके बाद जब यह मामला थाने आया तो केस दर्ज किया गया है।

एफआईआर के मुताबिक, भानवी सिंह ने अपनी शिकायत कहा है कि मेरे पत्नी रघुराज प्रताप सिंह पिछले कई वर्षों से मेरे खिलाफ शारीरिक और मानसिक क्रूरता कर रहे हैं और हाल की मेडिकल रिपोर्ट से यह साबित होता है कि मेरे पति द्वारा किए गए शारीरिक शोषण के कारण मेरे अंग क्षतिग्रस्त हो गए हैं, जिससे मेरी जान को खतरा है।

उन्होंने आगे कहा कि मैंने अपने पति के खिलाफ क्रूरता और हिंसा के खिलाफ एनसीडब्ल्यू और डीएएलएसए के समक्ष 20 मार्च 2023 को भी शिकायत दर्ज कराई थी। हालांकि, इस उम्मीद में कि चीजें बदल जाएंगी और मेरा विवाहित जीवन फिर से शांतिपूर्ण हो जाएगा, मैंने उक्त शिकायत वापस ले ली थीं। हालिया मेडिकल रिपोर्ट और पिछले एक साल से निरंतर जारी क्रूरता ने मुझे और अधिक और आघात पहुंचाया है।

शिकायत में यह भी कहा गया है कि दिल्ली और यूपी में दोनों पक्षों के बीच कई मामले लंबित हैं। हालांकि, हाल की रिपोर्टों और दूसरे पक्ष द्वारा मुझे मिली मौत की धमकियों ने मुझे अपने जीवन की सुरक्षा के लिए वर्तमान शिकायत दर्ज करने के लिए मजबूर किया है। हाल ही में दी गई मौत की धमकियों का विवरण भी

उक्त शिकायत का हिस्सा है।

भानवी सिंह के द्वारा कहा गया है कि मेरी शादी के 30 वर्षों में मेरे पति द्वारा कई बार मुझे शारीरिक और मानसिक क्रूरता का सामना करना पड़ा है। उन्होंने कहा कि मेरा विवाह 17.02.1995 को राजभवन, पुरानी बस्ती, उत्तर प्रदेश में हिंदू रीति-रिवाजों और समारोहों के अनुसार संपन्न हुआ था। मैं और मेरे पति दोनों ही एक पुराने शाही परिवार से हैं और मेरे पति एक शक्तिशाली और प्रभावशाली व्यक्ति हैं। वह अवध के भदरी एस्टेट से हैं और वर्तमान में उत्तर प्रदेश विधानसभा में विधायक हैं, और उनके पास पर्याप्त राजनीतिक प्रभाव है।

भानवी सिंह ने कहा कि मैं भी बस्ती के पूर्व राजघराने से ताल्लुक रखती हूं। हमारे शाही वंश का उल्लेख मेरे द्वारा जीए गए अत्यंत रूढ़िवादी और संरक्षित जीवन को उजागर करने के लिए है। साथ ही मेरे पति एक पारंपरिक रूढ़िवादी व्यक्ति शक्ति हैं।

उन्होंने आगे कहा कि शादी के बाद मुझे अपनी पढ़ाई छोड़नी पड़ी और अपने पति और उनकी मां के साथ रहने के लिए बैती स्थित अपने ससुराल जाना पड़ा, जहां मैं बाल्टी कोठी, कुंडा, प्रतापगढ़, यूपी में रहती थी। यह बताना जरूरी है कि मेरे पति के पिता भदरी में रहते थे, जो हमारे ससुराल से पंद्रह मिनट की दूरी पर है। हालांकि, मेरे पति के पास अपने परिवार के साथ रहने का विकल्प होने के बावजूद, वह ज्यादातर समय अपनी पत्नी और माता-पिता से दूर शाहनजफ रोड, लखनऊ स्थित अपने पैतृक घर में बिताते थे, उनका दावा था कि उन्हें लखनऊ में काम है। जबकि मेरे पति कई महीने लखनऊ में बिताते थे, मैं ज्यादातर समय ससुराल में ही रहती थी, घर और अपनी सास की देखभाल करती थी, उनकी जरूरतों को पूरा करती थी। हालांकि, मैंने इस बारे में कभी कोई असंतोष व्यक्त नहीं किया और हमेशा एक कर्तव्यनिष्ठ पत्नी और बहू रही हूं। मैंने ससुराल में हमेशा सौहार्दपूर्ण माहौल बनाने का प्रयास किया, तथा अपनी जरूरतों से अधिक अपने पति और ससुराल वालों की खुशी और संतुष्टि को प्राथमिकता दी।

एफआईआर के अनुसार, भानवी ने आरोप है कि शादी के तुरंत बाद, मुझे एहसास हुआ कि मेरी सास अपने बेटे के साथ-साथ घर के कामकाज पर भी बहुत ज्यादा अधिकार जताती थीं और उसे कंट्रोल करती थीं। मुझे बहुत आश्चर्य हुआ जब मेरी सास मेरे पति के बैती में रहने पर भी हमारे कमरे में सोने पर जो देती थीं, जो एक विवाहित जोड़े को दी जाने वाली प्राइवेस के प्रति पूरी तरह से उपेक्षा दर्शाता था। मैंने अपनी सास के प्रति अत्यधिक सम्मान के कारण इस बारे में कभी भी असंतोष का एक शब्द भी नहीं कहा। मुझे यह भी लगा कि, एक नवविवाहित के रूप में मैं इसका विरोध नहीं कर सकती थी और उम्मीद करती थी कि समय के साथ बेहतर समझ विकसित होगी।

इस तरह की सोने की व्यवस्था जारी रही, जिससे मुझे बहुत असहज महसूस हुआ। जून/जुलाई 1995 के आसपास एक या दो मौकों पर जब मैं आधी रात को जागती थी, तो मैं अपनी सास को खड़ी होकर हमारे ऊपर नजर रखती पाती थी, जो परेशान करने वाला था। हमारे बीच निजी पल बहुत कम थे, केवल मेरे पति की इच्छा पर ही होते थे, जब वे अपनी मां को कमरे से बाहर जाने के लिए कहते थे। उन्होंने कहा कि यह भी परेशान करने वाली बात थी कि मेरे पति, उच्च शिक्षित होने के बावजूद, एक रूढ़िवादी और पारंपरिक जीवन शैली का पालन करते थे।

संवैधानिक पद पर थीं, उन्हें कुछ तो; महिला समृद्धि योजना पर दिल्ली भाजपा चीफ का आतिशी को जवाब

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आतिशी के महिला समृद्धि योजना पर सवाल उठाने पर आज जवाब दिया। पूर्व दिल्ली सीएम आतिशी ने कहा था कि 8 मार्च को दिल्ली की महिलाओं के खाते में 2500 रुपये आने थे, लेकिन केवल कमेटी बनी। इसपर वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि वह खुद सीएम रही हैं, संवैधानिक पद पर थीं, उन्हें कुछ कानूनी प्रक्रिया तो मालूम होगी। उनके बयान से हताशा और निराशा दिख रही है।

लोधी गार्डन में एक कार्यक्रम में पहुंचे दिल्ली बीजेपी चीफ वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बार-बार आतिशी को कार्यवाहक मुख्यमंत्री कहा। मुझे आतिशी के बयान में निराशा और हताशा ज्यादा नजर आ रही है,वे खुद एक संवैधानिक पद पर रही हैं,उन्हें कुछ कानूनी प्रक्रिया के बारे में पता होना चाहिए। किसी भी योजना के लिए बजट स्वीकृत होना जरूरी है,जिसके लिए कैबिनेट की मंजूरी जरूरी है। हमने कल वह काम किया। इसके लिए 5100 करोड़ रुपये आवंटित किए। हमारी प्रतिबद्धता है कि हम हर वादा पूरा करेंगे। अरविंद केजरीवाल और आतिशी पर निशाना साधते हुए वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि जितने गड्ढे केजरीवाल और आतिशी मार्लेना छोड़ कर गई हैं, उन्हें भरने में समय लगेगा। हमारा लक्ष्य है कि हम दिल्लीवालों से किए हर वादे को पूरा करेंगे, इस दिशा में हमने कदम बढ़ा दिए हैं। सचदेवा ने कहा कि महिलाओं के उनके खाते में 2500 मिलने शुरू हो जाएंगे। इसके साथ ही दिल्ली में सीवेज की समस्या, पानी की समस्या, सड़कों की समस्या को भी ठीक करना है। वीरेंद्र सचदेवा ने आतिशी को पंजाब में 2100 रुपये महीना देने वाले वादे को याद दिलाते हुए कहा कि आप कृपा करके पंजाब की महिलाओं पर ध्यान दें, हम दिल्ली के लोगों का ध्यान रख लेंगे।

शरजील इमाम ने भड़काने के लिए चालाकी से भाषण दिया, आरोप तय करते हुए बोली दिल्ली की अदालत

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली के जामिया इलाके में वर्ष 2019 में हुए दंगे के मामले में आरोपी शरजील इमाम पर आरोप तय करते हुए अदालत ने कई महत्वपूर्ण बातें कही हैं। अदालत ने कहा है कि वरिष्ठ पीएचडी छात्र होने के चलते आरोपी शरजील ने अपने भाषण को चालाकी से पेश किया।

शरजील ने अपने समुदाय के अलावा अन्य समुदायों का उल्लेख करने से परहेज किया, लेकिन चक्का जाम के पीड़ित सभी समुदाय के लोग थे। उसने केवल एक समुदाय के लोगों को ही चक्का जाम के लिए भड़काया। आरोपी शरजील न केवल भड़काने वाला था, बल्कि वह हिंसा भड़काने की बड़ी साजिश का सरगना भी था।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश विशाल सिंह की अदालत ने अपने आदेश में कहा है कि शरजील ने खुले तौर पर एक समुदाय के मन में क्रोध और घृणा की भावना पैदा की। उन्हें उत्तर भारत के कई राज्यों में बड़े पैमाने पर व्यवधान पैदा करने के लिए उकसाया। ऐसे शख्स की यह दलील नहीं सुनी जा सकती कि सार्वजनिक सड़कों पर भीड़ द्वारा किया गया दंगा उसके भाषण का परिणाम नहीं था और इसके लिए उसे आपराधिक दायित्व में नहीं डाला जा सकता।

अदालत ने माना है कि उसका भाषण क्रोध और घृणा को भड़काने के लिए था, जिसका स्वाभाविक परिणाम सार्वजनिक सड़कों पर गैरकानूनी सभा के सदस्यों द्वारा व्यापक हिंसा से हुआ। उसने अपने सांप्रदायिक भाषण के माध्यम से हिंसक भीड़ गतिविधि को भड़काकर उकसाया, जिसके लिए उसके खिलाफ धारा 109 आईपीसी के साथ धारा 153 ए आईपीसी भी उचित रूप से लागू होते हैं। अदालत ने कहा है कि यहां यह ध्यान देने की जरूरत है कि चक्का जाम से कुछ भी शांतिपूर्ण नहीं हो सकता है। दिल्ली जैसे घनी आबादी वाले शहर में किसी भी समय गंभीर मरीज को अस्पताल पहुंचाने की जल्दी होती है। चक्का जाम संभावित रूप से उनकी हालत खराब कर सकता है और अगर उन्हें समय पर चिकित्सा देखभाल नहीं मिलती तो उनकी मृत्यु भी हो सकती है। आवश्यक और आपातकालीन सेवाएं प्रदान करने वाले वाहन सड़कों पर हैं। चक्का जाम अनिवार्य रूप से जनता के जीवन और स्वास्थ्य के मौलिक अधिकार का उल्लंघन है।

पिछोर एसडीएम धाकड़ ने किया गौशालाओं का औचक निरीक्षण

पिछोर (शिवपुरी) गत दिवस संभागीय आयुक्त के निर्देशन तथा कलेक्टर रविंद्र कुमार चौधरी के मार्गदर्शन में पिछोर अनुविभागीय दंडाधिकारी शिवदयाल धाकड़ के द्वारा पिछोर विकासखंड में संचालित गौशालाओं का औचक निरीक्षण किया ! प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछोर एसडीएम द्वारा गत दिवस शासन द्वारा चलाई जा रही करीब पांच शासकीय गौशालाओं को मौके पर जाकर निरीक्षण किया गया, निरीक्षण के दौरान पिछोर तहसीलदार शिवशंकर सिंह गुर्जर,पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर हेमंत कुमार ओझा उपस्थित थे ! इसके साथ ही उन्होंने 5 मार्च को ग्राम पंचायत मनपुरा तथा ढला की गौशालाओं का निरीक्षण किया गया, जहां पर 92 तथा 42 गोवंश मिले,तथा ग्राम वासियों से भी चर्चा की तथा गौशालाओं के संचालन में सहयोग की अपील भी की वही 7 मार्च को ग्राम पंचायत हिम्मतपुर, करारखेड़ा तथा बामोर डामरोंन की गौशालाओं को भी देखा जहाँ क्रमशः 80,86,तथा 96 गोवंश मौके पर गौशालाओं में मिले ! इसके साथ ही सभी गौशालाओं मैं बिजली पानी की व्यवस्था पर्याप्त स्थिति में देखने को मिली वहीं एसडीएम द्वारा गौशाला संचालकों को निर्देश देते हुए कहा गया कि आप लोग गांव के समाजसेवी तथा जो दान दाता लोग है उन सभी लोगों की एक मीटिंग रखें और ग्राम मैं चल रही गौशालाओं के संचालन के लिए भूसा के सहयोग के लिए लोगों को प्रेरित करें जिससे बहुत से ऐसे लोग होते है जो ऐसे कार्यों में सहयोग करना चाहते हैं आप उनका सहयोग अवश्य प्राप्त करें ! जिससे लोगों में गौशालाओं के प्रति जागरूकता भी रहेगी ! इसके साथ ही उन्होंने पशुपालन विभाग के अधिकारी तथा कर्मचारियों को निर्देश देते हुए कहां की आप लोग नियमित रूप से गौशालाओं का भ्रमण करें तथा समय समय पर पशुओं के उपचार तथा टीकाकरण भी करते रहे !